मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

प्रो. एहतेशामुल हक़ ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया के नये परीक्षा नियंत्रक का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली, 17 नवंबर, 2025

प्रो. एहतेशामुल हक ने 13 नवंबर, 2025 को अपनी नियुक्ति के बाद, 14 नवंबर, 2025 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के नये कार्यवाहक परीक्षा नियंत्रक (सीओई) के रूप में कार्यभार संभाला लिया है।

प्रो. हक़ वर्तमान में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर हैं और उनके पास व्यापक शैक्षणिक और प्रशासनिक अनुभव है। उन्होंने इससे पहले छह वर्षों से अधिक समय तक विश्वविद्यालय में परीक्षा संबंधी प्रमुख पदों पर कार्य किया है और मानद सहायक परीक्षा नियंत्रक और मानद उप-परीक्षा नियंत्रक के रूप में महत्वपूर्ण योगदान देकर जामिया मिल्लिया इस्लामिया की परीक्षा प्रणाली को मजबूत किया है।

एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद, प्रो. हक़ को हाल ही में भारत सरकार के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय से जेएमआई में एक अत्याधुनिक "इलेक्ट्रिक वाहन अनुसंधान प्रयोगशाला" विकसित करने के लिए ₹9.05 करोड़ का अनुदान मिला है। उनके शोध क्षेत्रों में पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इट्स एप्लिकेशन्स, रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, एआई, एंड अटोमेशन शामिल हैं।

अपनी नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए, प्रो. हक़ ने माननीय कुलपति, प्रो. मजहर आसिफ़ और रजिस्ट्रार, प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी को उनके द्वारा उन पर जताए गए विश्वास और भरोसे के लिए धन्यवाद दिया। जेएमआई में सीओई के रूप में नई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा करते हुए, उन्होंने कहा, "सीओई कार्यालय प्रवेश और परीक्षा परिणामों में पारदर्शिता और समयबद्ध आउटपुट सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। माननीय कुलपति और रजिस्ट्रार सभी सीओई से संबंधित कार्यों के लिए आंतरिक क्षमताओं का निर्माण करने की अपेक्षा करते हैं, और हम इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।" प्रो. हक़ ने आगे कहा, "परीक्षा प्रणाली को और बेहतर बनाने और बढ़ावा देने के लिए छात्रों के लिए एक शिकायत प्रणाली भी जल्द ही विकसित की जाएगी, जो परीक्षा संबंधी सभी शिकायतों का ऑनलाइन समाधान करेगी।"

प्रो. हक़ को उनके शोध उत्कृष्टता के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है। उन्हें लगातार चार वर्षों- 2022, 2023, 2024 और 2025 - के लिए स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका द्वारा क्यूरेट किए गए विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में शामिल किया गया है।

उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें: पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ग्रीन टेक्नोलॉजी में उनके योगदान के लिए पावर एंड एनर्जी टेक्निकल सोसाइटी, IEEE-USA से उत्कृष्ट युवा इंजीनियर पुरस्कार शामिल हैं। उन्हें अपने व्यापक रूप से पढ़े गए लेख, "कोविड-19 और भविष्य की महामारियों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और इंटरनेट ऑफ मेडिकल थिंग्स" के

लिए IEEE-स्मार्ट सिटीज टेक्निकल सोसाइटी, अमेरिका से 'मोस्ट वेल-रीड न्यूज़लेटर अवार्ड' भी मिला है।

संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुरूप अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता और ध्यान के साथ, प्रो. हक़ ने एसडीजी और उनके व्यापक विषयों से सीधे जुड़े 165 शोध लेख प्रकाशित किए हैं। उन्होंने एक अत्याधुनिक उन्नत पावर इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला स्थापित की है, जिसे अपनी प्रयोगशाला में ही डिज़ाइन किए गए सौर पीवी पावर प्लांट से विद्युत उर्जा प्राप्त होती है। इन वर्षों में, उन्होंने लगभग ₹220 लाख के अनुसंधान अनुदान जुटाए हैं और प्रतिष्ठित पत्रिकाओं और सम्मेलनों में 200 से अधिक शोध पत्र, पुस्तकें और अध्याय प्रकाशित किए हैं। उनके नवाचारों ने उन्हें कई पेटेंट भी दिलाए हैं। हाल ही में, उन्होंने IEEE प्रेस द्वारा प्रकाशित "आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स फॉर पावर इलेक्ट्रॉनिक्स" पुस्तक भी लिखी है।

प्रो. हक़ ने स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तर के छात्रों को पढ़ाना और प्रेरित करना जारी रखा है और IEEE-JMI तकनीकी सोसायटी के शाखा परामर्शदाता के रूप में कार्य कर रहे हैं।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी